गदराई लंगड़ी घोड़ी-2

“मैंने अपने कपड़े उतारे और मधु दीदी की नंगी गांड को बेतहाशा चूमने लगा. इससे दीदी और ज्यादा उत्तेजित हो गई और उसकी चूत से उसका नमकीन पानी निकलने लगा. …”

Story By: (xnoose)
Posted: सोमवार, फ़रवरी 10th, 2014
Categories: पड़ोसी
Online version: गदराई लंगड़ी घोड़ी-2

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

गदराई लंगड़ी घोड़ी-2

मैं तो पागलों की तरह उस मस्त लंगड़ी घोड़ी की गांड देख रहा था, अचानक मेरे मुख से लार की धार ठीक उनकी नंगी गांड पर गिरी. गर्म लार गिरते ही दीदी ने पीछे घूम कर देखा और एकदम दंग रह गई. उनकी मस्तानी गांड की नंगी नुमाइश लगी हुई थी. दीदी जल्दी से कील से स्कर्ट बाहर निकलने की कोशिश करने लगीं. स्कर्ट कील में बुरी तरह फंस गई थी और स्कर्ट नहीं निकल रही थी.

‘ओह नीटू ! जरा निकाल ना मेरी स्कर्ट ! देख कैसे फंस गई है !’ दीदी ने घोड़ी बने हुए पीछे घूम कर कहा.

मैं तो चाह रहा था कि यह स्कर्ट यूँ ही फँसी रहे, पर मैं जल्दी से खुद को काबू कर कील से स्कर्ट हटाने लगा. मैं उन नंगे चूतड़ों का नज़ारा और लेना चाहता था. तभी मेरे दिमाग में एक ख्याल आया. स्कर्ट इस तरह फंस गई थी कि उसे दीदी खुद नहीं निकाल सकती थीं, खुद से निकलने के लिए दीदी को स्कर्ट ही उतारनी पड़ती.

‘दीदी, यह तो बुरी तरह फंस गई !’ मैंने स्कर्ट को और कील में फंसा दिया.

‘हे भगवान्… मैंने तो कच्छी भी नहीं पहनी आज !’ वो अपना एक हाथ पीछे करके अपनी नितम्बों की दरार पर रखती हुई बोलीं- जल्दी से कुछ कर ना… मुझे शर्म आ रही है और यह चिकना-चिकना क्या गिरा दिया मेरे कूल्हों पर !

दीदी का हाथ मेरी राल पर पड़ते ही दीदी ने पूछा.

दीदी शर्म के मारे जल्दी से आगे की तरफ जोर से घुटनों पर चली और चिर्र्र.र्र्र..र्र की आवाज़ के साथ स्कर्ट के दो टुकड़े हो गए पर दीदी जल्दी से बाथरूम में घुस गई.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

रूम से बाथरूम तक जाती हुई मधु दीदी बहुत ही कामुक लग रही थी. जैसा मैंने सोचा था उससे भी कहीं ज्यादा. घोड़ी की तरह चलती हुई और फटी हुई स्कर्ट दोनों नंगे चूतड़ों के दायें-बांयें लटके हुए झूल रहे थे. बहुत ही कामुक नजारा था.

मैं तो तुरंत उस नंगी लंगड़ी घोड़ी की गांड मारना चाह रहा था. मुझे बस एक जवान नंगी, गर्म और लंगड़ी औरत दिखाई दे रही थी. मैं पूरी तरह से बहक गया था और दीदी को चोदना चाहता था. मैं अपना लंड पकड़ कर दीदी के बाहर आने का इंतज़ार करने लगा और सोचने लगा कि कैसे दीदी को चोदूँ.

मेरा लंड मेरे दिमाग पर हावी हो चुका था और मैं बस उस कामुक दीदी को रगड़ कर चोदना चाहता था फिर वो चाहे मेरी दीदी हो या फिर एक लंगड़ी लड़की.

कुछ देर बाद बाथरूम का दरवाज़ा खुला और मेरी घोड़ी दीदी बाहर कमरे में आई.

'अच्छा हुआ कोई और नहीं था रूम में… वरना बड़ी शर्म आती…' दीदी मेरी मंशा को नहीं जान रही थीं और बात कर रही थीं. वो ऐसे बात कर रही थीं जैसे मेरे देखने से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ा हो.

'आपकी तो स्कर्ट ही फट गई थी!' मैंने दीदी को स्कर्ट पहने देख पूछा.

'हाँ…पर बाथरूम में कुछ पिनें पड़ी थीं तो लगा लीं!' दीदी कह कर घूम गई जिससे मैं उनकी स्कर्ट पर लगी पिनें देख सकूँ.

'हाय राम! यह लंगड़ी तो मुझे आज पागल ही कर देगी!' मैंने मन में सोचा जब मैंने दीदी की फटी स्कर्ट से पिनों के बीच में से झांकते मांसल चूतड़ों को देखा. बस यह वही नजारा था जो कुछ साल पहले एक फ़ैशन वीक में रैम्प पर एक मॉडल गौहर खान की स्कर्ट फ़टने से हो गया था. फ़र्क इत्ना था कि गौहर ने जानबूझ कर स्कर्ट का वो हाल किया थ और

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अपने चूतड़ छिपाने का नाटक किया था पर यहाँ मधु की स्कर्ट अपने आप फ़टी थी पर वो खुद मुझे अपने चूतड़ दिखा रही थी.

‘आनंन्न्न हान्न्नन्न्न…’ मेरे मुँह से सिसकारी निकल गई.

‘क्या हुआ ? और किसी को बताना मत यह बात कि मैं इस तरह से नंगी हो गई थी. चलो यह अच्छा था कि तू था उस वक़्त. मत कहना किसी से भाई…’ दीदी भावुक हो गई.

‘अभी भी भाई कह रही हो दीदी ! मैंने तुम्हें उस रूप में देखा !’ मैंने चाल चली.
‘पर जो हुआ अनजाने में हुआ…भाई !’
‘मत कहो भाई मुझे दीदी… मैं तो आपकी खूबसूरती से पागल हो गया था.’
‘यह तू क्या कह रहा है ?’ मधु दीदी ने चौंक कर कहा.
‘अच्छा सच बता क्या तू मुझे उस समय एक भाई की नज़र से देख रहा था या एक मर्द की नज़र से ?’ दीदी ने बड़े भोलेपन से पूछा.
‘मुझे तो बस इतना पता है कि एक नंगी लड़की किसी की दीदी या कोई रिश्तेदार नहीं होती… वो तो बस एक कामुक, गर्म औरत होती है, जिसका नंगा गर्म जिस्म देखकर कोई भी मर्द उसे प्यार करना चाहे.’ मैंने अपने मन की बात आखिरकार कह ही दी.

थोड़ी देर के लिए हम दोनों चुप हो गए.

‘क्या मैं सुंदर हूँ ?’ दीदी ने चुप्पी तोड़ी.
‘सुंदर एक औरत की तरह या एक दीदी की तरह ? दीदी सच में आप एक बहुत अच्छी दीदी हो और अच्छे संस्कार वाली हो. मैंने कभी आप को मर्द की नज़र से नहीं देखा बल्कि अपनी दीदी ही माना. आप बहुत अच्छी हो दीदी.’ मैंने भी जोश में और भावुक हो कर कहा.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

‘पर क्या मैं एक सुंदर औरत हूँ ?’ दीदी फिर से सवाल पर वापस आ गईं. उन्हें अब मजा आने लगा था. 12 बज रहे थे और कोई शाम के 5 बजे से पहले नहीं आने वाला था.
‘आप एक बहुत ही गर… छोड़ो दीदी रहने दो आप सोचोगी कि मैं कितना गन्दा हूँ.’
‘तू शर्मा मत… बोल ना… बता न अपने मन की बात.’

‘दीदी आप सच में एक बहुत गर्म और मस्त लड़की हो और यह मैंने इस कील की वजह से आज जाना. आज जाना कि आप चल नहीं सकती हो, पर आपका नंगा शरीर मर्द में आग लगा दे. मैं क्या कोई भी अगर आप को इस तरह से देख लेता तो आपको जरूर चोद देता. मेरी भी राल टपक गई थी आपके नंगे चूतड़ देख कर तो.’

दीदी के लिए ये सब बातें नई थी. मेरी मुँह से वो पहली बार ऐसी बातें सुन रही थी और अपनी तारीफ सुन कर वो भावुक हो गई.

‘तू तो ऐसे ही कह रहा है. मेरी तो शादी भी नहीं होगी… लंगड़ी जो हूँ और तू तो चोदने की बात कर रहा है… मेरी तरफ तो कोई लड़का देखता भी नहीं है.’ दीदी ने अपनी दिल के बात कही और रो पड़ीं.

मैं दीदी के मुँह से ‘चोदना’ सुन कर चौंक गया और समझ गया कि आज यह लंगड़ी शाम को घोड़ी बन कर भी नहीं चल पाएगी. मुझे अपनी लाइन अब साफ़ करनी थी. 5 घंटे थे हमारे पास. मैंने हिसाब लगा लिया कि एक घंटे में मैं दीदी को चुदवाने के लिए राज़ी कर लूँगा और फिर 4 घंटे तबियत से चोदूँगा इस लंगड़ी कुंवारी घोड़ी को.

पर जब मैंने उसे अपनी दीदी के नज़र से देखा तो सोचा कि प्यार से ही करना ठीक होगा, नहीं तो दीदी को दर्द होगा. फिर मुझे उनकी नंगी गांड याद आई और सोचा कि ऐसी कामुक गरम गांड को तो बेरहमी से ही चोदना चाहिए. सच में बहुत मस्त गांड थी दीदी की. मेरा मन फिर से उन्हें नंगा देखने का करने लगा.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

‘नहीं दीदी सच में बहुत सेक्सी लड़की हो. मेरा तो फिर से मन कर रहा है.’ मैंने कहा.

‘क्या मन कर रहा है ?’ दीदी ने बड़े ही कामुक अंदाज़ में पूछा.

‘दीदी क्या मैं एक बार आपको उसी तरह देख सकता हूँ जैसे कुछ देर पहले देखा था ?’

‘स्कर्ट उठा कर… या कील में फंसा कर ?’ दीदी मुस्कुरा कर बोलीं.

‘नहीं दीदी सिर्फ पिनें खोल दो… स्कर्ट तो पहले ही फटी पड़ी है’ मैं आने वाले लम्हे को सोच कर बेकाबू हो कर बोला.

‘पर मैंने कच्छी पहन ली है.’ दीदी रोमांचित थीं और नखरे कर रही थीं.

‘आप झूठ बोल रही हो… मुझे पता है कच्छी नहीं पहनी है… आपके चूतड़ अभी भी नंगे ही हैं. मैंने पिनों के बीच में से देखा है.’

‘नालायक…!’ और दीदी हंस पड़ी और फिर से तख्त पर चढ़ गई. मुझे लगा था कि शायद यह सब मजाक में हो रहा है पर जब दीदी घूम कर बिस्तर के किनारे पर बैठ गई और चूतड़ उभार कर मेंढक की तरह हो गईं और कहा- ले आराम से निकालना, पिनें कहीं चुभ ना जायें.

मैंने कांपते हाथों से एक-एक कर पांचों पिनें निकाल दीं. फटी स्कर्ट में से चूतड़ झाँकने लगे थे, पर छठी पिन अभी भी स्कर्ट के ऊपरी हिस्से पर लगी थी और मस्त गदराये चूतड़ों को छुपाने की कोशिश कर रही थी.

‘दीदी क्या आप सच में इसके लिए तैयार हो ?’ मैंने अच्छा बच्चा बन कर पूछा.
‘तुझे देखना है ना ! तो फिर क्यूँ पूछ रहा है ?’

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

दीदी का इतना कहना था और छठी पिन भी निकल गई. स्कर्ट के दोनों चीथड़े मांसल चूतड़ों पर से सरक कर साइड में जा गिरे और मेरे लिये दुनिया की सबसे हसीन गांड, मस्त चिकने चूतड़ों वाली मेरे सामने नंगी खड़ी थी. इतनी प्यारी गांड मैंने कभी फिल्मों में भी नहीं देखी थी.

'कितने मस्त सुंदर-सुडौल चूतड़ हैं मधु दीदी आपके…'
अब मेरे लिए और रुकना मुमकिन नहीं था तो मैंने बिना कुछ सोचे समझे अपने कपड़े उतारे और मधु दीदी की नंगी गांड को बेतहाशा चूमने लगा. इससे दीदी और ज्यादा उत्तेजित हो गई और उसकी चूत से उसका नमकीन पानी निकलने लगा. यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं!
'ओह दीदी मैं तुम्हें चोदना चाहता हूँ, अभी इसी वक़्त.'

दीदी कुछ नहीं बोली और यूँ ही घोड़ी बनी रही. मैं समझ गया कि दीदी भी चुदना चाहती हैं. अभी मैं रुकना नहीं चाहता था तो मैंने लण्ड दीदी की गीली चूत पर रखा और उसके स्तनों को चूमते हुए एक जोरदार झटका मारा. मेरा आधा लण्ड लंगड़ी की चूत में घुस गया.

इस धक्के से दीदी के मुँह से एक चीख निकल गई और मुझसे बोली- वीर, थोड़ा रुक जाओ!
पर रुकने की बजाय मैंने एक धक्का और उसकी चूत में मारा और मेरा 8 इंच लंबा पूरा लण्ड लंगड़ी घोड़ी की चूत में घुस गया.

इस धक्के से दीदी तड़प सी उठीं और मैंने दोनों हाथों से दीदी के स्तन मसलना शुरू कर दिए और धीरे-धीरे धक्का लगाना शुरू कर दिया.

थोड़ी देर बाद मेरी घोड़ी थोड़ी शांत हुई और मज़े से चुदवाने लगी. अब मैं इत्मीनान से

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अपनी गरम लंगड़ी दीदी को घोड़ी बना कर चोद रहा था.

मैं धक्के लगा रहा था और वो- जोर से करो, हाँ, और करो' की सीत्कारों से मुझे और उत्साहित करती जा रही थी और मैं उसे जोर-जोर से चोदे जा रहा था. हर धक्के के साथ दीदी चरम पर पहुँच रही थी और मैं मजे के सागर में.

मैं उसे चोद रहा था और मेरे चोदते-चोदते ही दीदी स्खलित हो गई और उसने मुझे कस कर पकड़ने को कहा. अब मैं भी ज्यादा देर रुक सकने की हालत में नहीं था तो मैंने दीदी के स्तनों को मसलते हुए कुछ और धक्के लगाए और सारा वीर्य मैंने दीदी की चूत में भर दिया और थक कर दीदी पर ही लेट गया.
यह थी मेरी पहली कुंवारी चूत.

मुझे आप अपने विचार यहाँ मेल करें.
xnoose@gmail.com

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Kannada sex stories

URL: www.kannadasexstories.com **Average traffic per day:** 13 000 GA sessions **Site language:** Kannada **Site type:** Story **Target country:** India Big collection of Kannada sex stories in Kannada font.

Bangla Choti Kahini

URL: www.banglachotikahinii.com **Average traffic per day:** GA sessions **Site language:** Bangla, Bengali **Site type:** Story **Target country:** India Bangla choti golpo for Bangla choti lovers.

Tamil Scandals

URL: www.tamilscandals.com **Average traffic per day:** 48 000 GA sessions **Site language:** Tamil **Site type:** Mixed **Target country:** India Daily updated hot and fun packed videos, sexy pictures and sex stories of South Indian beauties in Tamil language.

Indian Phone Sex

URL: www.indianphonesex.com **Site language:** English, Hindi, Tamil, Telugu, Bengali, Kannada, Gujarati, Marathi, Punjabi, Malayalam **Site type:** Phone sex **Target country:** India Real desi phone sex, real desi girls, real sexy aunti, sexy malu, sex chat in all Indian languages.

Wahed

URL: www.wahedsex.com/ **Average traffic per day:** 80 000 GA sessions **Site language:** Arabic **Site type:** Story **Target country:** Arab countries The largest library of hot Arabic sex stories that contains the most beautiful diverse sexual stories written in Arabic.

Desi Kahani

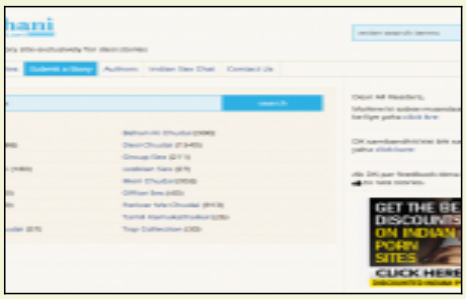

URL: www.desikahani.net **Average traffic per day:** 180 000 GA sessions **Site language:** Desi, Hinglish **Site type:** Story **Target country:** India Read over 6000+ desi sex stories and daily updated new desi sex kahaniyan only on DesiKahani.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire